

**सूदना स.क्रि.** (तद्.) 1. नष्ट करना 2. मार डालना।

**सूदर पुं.** (देश.) शूद्र, अन्त्यज।

**सूदशाला स्त्री.** (तत्.) रसोईघर, भोजनालय, पाकशाला।

**सूद शास्त्र पुं.** (तत्.) पाकशास्त्र, भोजन बनाने की कला।

**सूदा पुं.** (देश.) 1. शूद्र, अन्त्यज 2. ठग, मध्य युग में ठगों के गिरोह।

**सूदाध्यक्ष पुं.** (तत्.) प्रमुख रसोइया, पाकशाला का अधिकारी।

**सूदित वि.** (तत्.) 1. हत, जिसे मार डाला गया हो, आहत, घायल 2. जिसे नष्ट किया गया हो, विनष्ट।

**सूदी वि.** (फा.) 1. सूद से संबंधित, सूद का 2. जो सूद पर लिया या दिया गया हो।

**सूध वि.** (तद्.) 1. शुद्ध 2. निष्पाप 3. निष्पकट, निश्छल 4 बिना कहीं मुड़े हुए, सीधा पुं. महल, प्रासाद।

**सूधन पुं.** (तद्.) शोधन करना, शुद्ध करना।

**सूधना अ.क्रि.** (तद्.) 1. ठीक या सत्य सिद्ध होना 2. शुद्ध होना।

**सूधरा वि.** (देश.) 'सूधा', सीधा, बिना कहीं इधर उधर मुड़े हुए।

**सूधे अव्य.** (देश.) सीधे, सीधी तरह से या सीधे रूप में।

**सून वि.** (तत्.) 1. उत्पन्न, जात, प्रसव किया हुआ 2. खिला हुआ, विकसित 3. रहित, हीन, (तद्.) 4. निर्जन, सुनसान 5. रिक्त, खाली पुं. 1. जनन, प्रसव 2. पुत्र, बेटा 3. प्रसून, फूल, कली 4. फल।

**सून-नायक/सूनशर पुं.** (तत्.) पुष्प वाणों वाला, कामदेव।

**सूनरी स्त्री.** (देश.) 1. सुखी स्त्री 2. सुंदर स्त्री, सुंदरी।

**सूनहरी/सुनहली वि.स्त्री** (देश.) 1. सोने की बनी हुई 2. सोने जैसी चमक या रंग वाली।

**सूना वि.** (तद्.) 1. ऐसा स्थान जहाँ लोगों का आना जाना या चहल-पहल न हो, निर्जन, जनहीन जैसे- सूना घर 2. रिक्त, खाली 3. जो किसी प्रिय व्यक्ति या सुंदर वस्तु के न होने या अनुपस्थित होने के कारण अप्रिय लगे 4. उदासी स्त्री. 1. पुत्री, बेटी 2. वध, हत्या 3. धर्म शास्त्र के अनुसार घर-गृहस्थी की ऐसी जगह जहाँ अनजाने में प्रायः छोटे-छोटे जीवों की हत्या हो जाती है जैसे- ओखली, चक्की, रसोई, झाड़ू ऐसी हिंसा को सूनादोष या पंच सूना कहा जाता है 4. कसाई खाना, वधशाला 5. हाथी के अंकुश का दस्ता।

**सूनापन पुं.** (देश.) 1. निर्जनता, शून्यता 2. रिक्तता, खालीपन।

**सूनिक पुं.** (तत्.) 1. जीव हत्या करने वाला 2. कसाई 3. शिकारी।

**सूनी पुं.** (तद्.) माँस बेचने वाला, बूचड़।

**सूनु पुं.** (तत्.) 1. पुत्र 2. दौहित्र, पुत्री का पुत्र 3. छोटा भाई, अनुज 4. सूर्य 5. आक का पेड़, मदार 6. यज्ञ के लिए सोमरस निकालने वाला स्त्री. पुत्री, दुहिता।

**सूनृत पुं.** (तत्.) 1. सत्य और प्रिय वाणी जो जैन धर्म के सदाचार के पाँच गुणों में से एक है 2. शिष्ट 3. प्रिय 4. शुभ 5. आनंद, प्रसन्नता 6. अनुकूल 7. दयालु।

**सूने वि.** (तद्.) शून्य, निर्जन, सूना, सुनसान।

**सून्मद वि.** (तत्.) सून्माद, जिसे उन्माद या पागलपन का रोग हुआ हो।

**सून्य वि.** (तत्.) शून्य, रिक्त।

**सूप पुं.** (तत्.) 1. पकी हुई दाल 2. पकी दाल का पानी 3. बर्तन 4. रसोइया 5. तीर 6. वाण (अर.) तरकारी का रस, शोरबा जैसे- टमाटर का सूप।

**सूपक पुं.** (तत्.) रसोइया, सूपकार, पाचक, सूद, भोजन पकाने वाला।

**सूपकारी पुं.** (तत्.) 1. भोजन पकाने वाला, रसोइया 2. भोजन परोसने वाला।